1000 6 A	
NAME OF THE EXPERIMENT তিলা ইছে না - এ সমস্যাক্ত PAGE NO	
PAGE NO.	
आर्थर्व प्रमादीन EXP. NO. 26	
य् नावाः विकास विने च्हा ना - १ सम्मानि व	
विद्याजनीय देनक्षनः विनीद्वं दारेणद्वं मिरि या म	ফট ব্যাপ
কাতোর ধারা:	
) शिक्षीदंर आद्य आदमार कार्यपट प्रदेश कार्ट रि	करा दिला था।
१। विकाय जा जाह काह किता दर्मधा	
७। मिकार्टिहिद्व यास्ये छिन्तिद्व हिंदे वणायन मर्युङ	व्याहर किला दर्भाश
81 जिनीदिक एछित दिन्दी अवन का नि कि वि छन	
कारित जारि किया न विकार भूरत एर्साएरव	
ए। किलीद्वर कार्टिए कार्नि छाहर किना ज हमिश्र छाश	বা জিন্টার
(यदार वलिंद्र) हि श्रुटन एहिनाएड दिन दुन श्रूनशाय र	गिरिं कि दिल
यथायथ माद्र प्रापित रुद्र हिमिट्य।	
ए। क्रिकें हान कराय प्रात्य यहि नान विश्वा नि	उर्किन इस्
कार्व द्वानाव भारक वाश्य विनीदि विस्ति यादिन	ठाल राहे।
१। यि स्वस्। स्वाद्य ना रस् ठार्टन नर्र कर्र छिन	राद्यं आवर
प्रक्रिक कर्ने हैं के प्रकार अग्रेस के के के के किया कि के किया कि के किया कि	
म शहराहर काल्स स्वात गरिन मारा अद्रायम :	কহি।
र्मार्क मः द्र्यादेव कार्य द्वीर्ण क्षेत्रं रूप व्रिक्टिं	প্রিক না
इतिगढ़ प्रथमिषट व प्रथाद्वाय इत्।	
	7754
সত্ৰত্য:	
२। जिकीदिव िण्य किंद्र जारिक शित्म जार्यव कवाव	्ष्ट्रा प्रकार

ठा काष्ट्रिक मिथा या निर्धाष्ट्र प्रमान कार्षिक पांगरम प्राप्त या।

शकाण श्वा